066

MAHD-01

June - Examination 2019

MA (Previous) Hindi Examination

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Paper - MAHD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(i) कबीर दास निर्गुण भक्ति काव्यधारा की कौनसी शाखा के प्रतिनिधि कवि हैं?

(ii) प्रेममार्गी काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम एवम् उनकी एक–एक रचना का भी नामोल्लेख कीजिए।

(iii) तुलसीदास की काव्यभाषा की किन्हीं दो विशेषताओं को बताइए।

(iv) ऊधो। मन माने की बात।
जरत पतंग दीप में जैसे औ फिरि फिरि लपटात, उक्त काव्यपंक्तियाँ किस कवि की हैं?

(v) मीरा के गुरु के सम्बन्ध में प्रचलित धारणा का संक्षिप्त में उल्लेख कीजिए।

(vi) कवि बिहारी के दोहों के लिए 'गागर में सागर' भरने की कहावत क्यों प्रचलित है?

(vii) पद्माकर के काव्य का मुख्य विषय क्या है?

(viii) प्रेम के मार्ग पर सफलतापूर्वक आगे बढ़ने के लिए घनानंद ने प्रेमी के लिए किन वस्तुओं को आवश्यक माना है?

खण्ड – ब **$4 \times 8 = 32$**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
चंद चकोर की चाह करै, घनआनंद स्वातिपपीहा को आवै।
ज्यों त्रसरैनि के ऐन बसै रवि, मीन पै दीन ह्वै, सागर आवै।
मोसो तुम्है सुनौ, जान कृपानिधि नेह निबाहिबो यो छवि पावै।
ज्यों अपनी रूचि राखि कुबेर सुरंकहिं लै निज अंक बसावै।।

3) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।
अजौं तरयौना ही रह्यौ, श्रुति सेवत इक–रंग।
नाक – बास बेसरि लह्यौ, बसि मुकुतन कै संग।।
मंगल बिंदु सुरंगु, मुखु ससि, के सरि आड़ गुरू।
इक नारी लहि संगु, रसमय किए लोचन–जगत।।

4) मलिक मोहम्मद जायसी कृत पद्मावत में लोकपक्ष का उल्लेख कीजिए।

5) पद्माकर के काव्य में गंगा की महत्ता का चित्रण किस प्रकार हुआ है? उल्लेख कीजिए।

6) भूषण के काव्य की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

7) विद्यापति के काव्य की भाव संवेदना पर प्रकाश डालिए।

8) 'पृथ्वीराज रासो' महाकाव्य के अनुभूति पक्ष का वर्णन कीजिए।

9) मीरा की भक्ति भावना का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

खण्ड – स **$2 \times 16 = 32$**

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) तुलसीदास कृत काव्य–रचनाओं का उल्लेख करते हुए उनकी रचनाओ में विद्यमान काव्यगत सौन्दर्य का विवेचन कीजिए।

11) ''सूर का वियोग श्रृंगार सूक्ष्म मानवी अन्तर्दशाओं का रसपूर्ण एवं कलात्मक चित्रण है।'' इस कथन की समीक्षा कीजिए।

12) घनानंद के काव्य ने भाव व शिल्पगत विशेषताओं का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

13) 'पद्माकर' रीतिकालीन काव्यधारा के प्रतिनिधि कवि हैं? इस कथन की समीक्षा कीजिए।